



BEETROOT PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Beetroot seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Beetroot seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Beetroot seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Beetroot Hybrid	Hero, Brigade, Sindhu												
Ouration	100-115 DAS												
harif	Yes (in cooler places)			l						 		ļ	
abi	Yes												
oring	Yes												
ource of Irrigation	Borewell/ Canal												
			ase note acco	rding to wea	ther condition			ity may b	e differen	t			
S. No.	Particulars/ operation	s/Practice				ration. input p							
1	Suitability of the area,	/Agro-climatic	zone	Temperature: Beetroot is a cool-weather crop that is hardy and tolerates some freezing. It grow best in spring and autumn. Beetroot seeds germinate at soil temperatures from 4.5 to 30° C, with the optimum being 18 to 24° C.									
2	Land / Soil			Beetroot does best on deep and well-drained, loose, loamy to sandy soils. Beetroot prefers a so pH of 5.8 to 7.0, but can tolerate a pH of up to 7.6.									
3	Season. Sowing/plant	ting time		The sowing times differ with production areas. In winter rainfall areas, seed may be sown from August to end of March and from end of August to middle of March in areas with cool summer.									
4	Seed rate. Sowing/pla	inting method.			General seed r	ate of 2-4kg / a	acre						
5	Preparation of Main fi	eld and planti	ng			nould be well p as level as pos							
6	Spacing				Sowing depth	of about 1 inch	ı, and spaci	ng of 30-40	cm betwee	n rows and	1 20 cm betw	veen plan	
7	Seed treatment before	sowing				water for 12 ho with Thiram o				ermination	. Alternative	ely seeds	
8	Manures and Fertilize	Role of nitrogen is very important. 120-160 kg/acre of limestone, ammonium nitrate or ammonium sulphate, depending on soil analysis, are applied in 2 or 3 dressings during the growing season. About 60 kg/acre of nitrogen is usually applied at planting time and the rest when the plants are about 10 to 15 cm high. A total of 200-240 kg/acre of superphosphate and 80-120 kg/acre of potassium chloride are applied just before sowing. It should be noted that these are general recommendations and actual amounts of fertilizers should be based on soil analysis.											
9	Irrigation schedule				The soil should never be allowed to become dry and it should be kept moist to a depth of 20 to 25 cm. The plantings should receive light water applications daily until the young seedlings come up.								
11	Weeding/ inter-cultiv	ation			Weeds must be controlled before they can compete with beet seedlings and interfere with their growth. All weeds between the rows must be removed by hand to avoid damaging the roots. Chemical weed control can also be used following the guidelines specified by the manufacture.								
12	Micronutrient/growth	n regulator spr	ays		Boron, Manganese, and Iron are three key micronutrients important in beet cultivation. Based on the soil analysis, if these nutrients are deficient, care must be taken to provide these nutrients.								
13	Pest and Disease cont	Aphids: Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Red spider: Fenazquin 10% (0.4ml/litre) + Bifenthrin 10% EC (0.5 to 1 ml/litre) Cercospora leaf spot: Mancozeb 75% WP (2 -2.5 gm per litre); Crop Rotation is highly recommended Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Damping-off: Captan 75% WS (1.5 to 2 gm per liter) Heart rot: Heart rot in beetroots is mostly caused by boron deficiency, and hence maintenanc of adequate boron is key. 0.2% boric acid solution can be sprayed on the foliage twice during the mid-season to control the deficiency symptoms.											
14	Harvest				Crop is ready for harvest at 100-115 DAS								
15	Expected yield					s from a well r							
16	Storage				II .	he shelf life of					igh humidit	y, ideally	
17	Don't Do					5 degrees Cels gate, and don't			1 amennen	.)			
	DOIL L'DO				_		•				to and are	.10	
18	Do's				Proper sunlight and adequate irrigation, balanced fertilization, good air circulation and Gent harvests								
Vote	The above information	n is a general a	dvisory. For sp	ecific recomm	endations relate	d to particular	region, ple	ase contact	your local	State Agric	ulture Depa	rtment.	
recautions	Crop growth and yield quality fertilizers and							_	ral officer fo	or advice. E	ensure that o	only hig	





चुकंदर की खेती का तरीका

बभाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के बेहतरीन चुकंदर बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल के पास उच्च पुणवत्ता वाले चुकंदर वीज व्यापक श्रीभ के फेलस्वरूप तैयार फिए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइबिड फतले विकतित की जा सके। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सके। क्रिस्टल के चुकंदर बीज में उच्च अंकुरण और मजबूत विकास के साथ जैविक और अजैविक तनाव सहन करने की क्षमता होती है। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पड़ लें।

ब्रेड चुकंदर	हीरो, हाइबिड. ब्रिगेड, सिंघु,								
धे	सिं स् २००	<u> </u>							
ध फ	100-115 DAS हाँ (ठंडी जगहों में)								
·	हा (०३। जगहा स)								
	हाँ								
ई कास्रोत	बोरिंग/ नहर								
રૂ જાાજાાત		ा। । । ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।							
क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत							
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	तापमान: चुकंदर ठंडे मौसम के लिए उपयुक्त फसल है, जो मजबूत होती है और आंशिक ठंड या जमाव झेल सकती है। यह वसंत और							
		ऋतु में बढ़ता है। चुकंदर बीज मिट्टी के तापमान 4.5 से 30°C के बीच अंकुरित होते हैं, और 18 से 24°C पर उनका अंकुरण सबसे							
	0.00	अच्छा होता है।							
2	भूमि / मिट्टी	चुकंदर गहरी और अच्छी जल निकासी वाली, ढीली, दोमट से बलुई मिट्टी में अच्छी तरह से बढ़ती है। चुकंदर की पसंदीदा मिट्टी का।							
		5.8–7.0 है, फिर भी यह 7.6 तक के pH को सहन कर सकता है।							
2	A 0.5 6								
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	उत्पादन क्षेत्रों के हिसाब से बुवाई के समय में अंतर होता है। शीतकालीन वर्षा क्षेत्रों में बीज अगस्त से मार्च के अंत तक बोए जा सक							
		जबिक ठंडे गर्मियों वाले क्षेत्रों में अगस्त के अंत से मार्च के मध्य तक इसकी बुवाई की जा सकती है।							
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	बीज की सामान्य मात्रा 2 से 4 किग्रा प्रति एकड़							
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	बीज बोने के लिए भूमि को अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए, 15–20 सेमी गहरी जुताई करके मिट्टी के ढेलों को तोड़ना आवश्य							
		है। जितना संभव हो मिट्टी उतनी समतल, अच्छी मृदा संरचना वाली और पर्याप्त जल-संतुलन वाली होनी चाहिए।							
6	पौधों के बीच दूरी	बीज लगभग 1 इंच गहरा बोएँ, पंक्तियों के बीच 30–40 सेमी और पौधों के बीच 20 सेमी का अंतर रखें।							
7	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज बोने से पहले उन्हें 12 घंटे पानी में भिगोकर रखें, ताकि अंकुरण तेज़ी से हो। बीजों को 2 ग्राम प्रति किग्रा दर से थिराम या कैप्त							
		भी उपचारित किया जा सकता है।							
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	नाइट्रोजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी के विश्लेषण के आधार पर 120–160 किलोग्राम/एकड़ चूना, अमोनियम नाइट्रेट या							
		अमोनियम सल्फेट फसल के विकास के दौरान 2 या 3 बार डाला जाता है। साधारण तौर पर 60 किग्रा/एकड़ नाइट्रोजन बुवाई के स							
		लगाया जाता है, जबकि बाकी तब दिया जाता है जब पौधे 10 से 15 सेमी की ऊँचाई तक पहुँच जाएँ। बुवाई के पहले कुल 200–24							
		किग्रा/एकड़ सुपरफॉस्फेट और 80–120 किग्रा/एकड़ पोटैशियम क्लोराइड डाला जाता है।							
		यह ध्यान रखना चाहिए कि ये सामान्य सुझाव हैं, जबकि उर्वरक की सही मात्रा मिट्टी के विश्लेषण के आधार पर तय की जानी चाहि							
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी को सूखने नहीं देना चाहिए और 20–25 सेमी गहराई तक नमी बनी रहनी चाहिए। छोटे पौधों के निकलने तक उसे प्रतिदिन ह							
	The Property	पानी दें।							
11	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच में जुताई	बीज अंकुरित होने से पहले खरपतवारों को नियंत्रित करना चाहिए, ताकि वे चुकंदर के पौधों के विकास को बाधित न करें। जड़ को							
		पहुँचाए बिना पंक्तियों के बीच की सभी घास-फूस को हाथ से निकालना आवश्यक है। निर्माता के निर्देशों के अनुसार रासायनिक							
		खरपतवार नियंत्रण का भी उपयोग किया जा सकता है।							
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	चुकंदर की खेती में बोरॉन, मैंगनीज और लोहा तीन मुख्य सुक्ष्म पोषक तत्व माने जाते हैं। मिट्टी के विश्लेषण के अनुसार, अगर पोषक							
		की कमी हो, तो इसकी पूर्ति का ध्यान रखना आवश्यक है।							
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·							
13	कीट-पतंग और रोग प्रबंधन	एफिड: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर)							
		रेड स्पाइडर: फेनाज़क्किन 10% (0.4 मि.ली./लीटर) + बिफेंट्रिन 10% EC (0.5–1 मि.ली./लीटर)							
		सिरकोस्पोरा लीफ स्पॉट: मैनकोज़ेब 75% WP (2–2.5 ग्राम/लीटर); फसल चक्रीकरण करना अत्यावश्यक है।							
		डाउनि मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5–1 ग्राम)							
		हैंपिंग-ऑफ: कैप्टन 75% WS (1.5–2 ग्राम/लीटर)							
		हार्ट रॉट: बोरॉन की कमी चुकंदर में हार्ट रॉट का मुख्य कारण है। इस रोग को रोकने के लिए पर्याप्त बोरॉन की आपूर्ति जरूरी है। मध							
l		फसल अवधि में पत्तियों पर 0.2% बोरिक एसिड छिड़काव कर कमी के लक्षण नियंत्रित किए जा सकते हैं।							
		200 2 100 1 100 1 10 0.2 20 11 10 5100 10 510 1 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10							
		100 - 100 1 1 0 0 - 20 0 10 1 7 100 0 0 0 10 1 10 10 10 10 10 10 10 10							
14	फसल काटना	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है।							
14	कसल काटना								
14	फसल काटना								
14	फसल काटना अनुमानित उपज								
		100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है।							
		100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है।							
		100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। उत्तम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है।							
15		100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। उत्तम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्र							
15	अनुमानित उपज	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है।							
15	अनुमानित उपज	100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। उत्तम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं							
15	अनुमानित उपज	100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। उत्तम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं							
15	अनुमानित उपज भंडारण	100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जिसम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है। कुकेटर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं सेल्सियस (35.6–41°F) है।							
15	अनुमानित उपज भंडारण	100–115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जिसम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8–10 टन उपज प्राप्त होती है। कुकेटर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं सेल्सियस (35.6–41°F) है।							
15 16	अनुमानित उपज भंडारण क्या न करें	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जिसम प्रवंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रे सेल्सियस (35.6-41°F) है। बहुत ज्यादा पानी न दें और पीधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ।							
15 16	अनुमानित उपज भंडारण	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जनम प्रवंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। कुकेटर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं सेल्सियस (35.6-41°F) है।							
15 16 17	अनुमानित उपज भंडारण क्या न करें	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जन्म प्रकंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिउ सेल्लियन (35.6-41°F) है। चहुत ज्यादा पानी न दें और पीधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ। पर्याप्त सूरज की रोशनी, सही मात्रा में पानी, संतुलित खाद, अच्छी हवा का प्रवाह और धीरे-धीरे कटाई							
15 16	अनुमानित उपज भंडारण क्या न करें	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जन्म प्रकंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिउ सेल्लियन (35.6-41°F) है। चहुत ज्यादा पानी न दें और पीधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ। पर्याप्त सूरज की रोशनी, सही मात्रा में पानी, संतुलित खाद, अच्छी हवा का प्रवाह और धीरे-धीरे कटाई							
15 16	अनुमानित उपज भंडारण क्या न करें	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जन्म प्रकंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्रं सेल्लियन (35.6-41°F) है। बहुत ज्यादा पानी न दें और पीधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ। पर्याप्त सूरज की रोशनी, सही मात्रा में पानी, संतुलित खाद, अच्छी हवा का प्रवाह और धीरे-धीरे कटाई							
15 16	अनुमानित उपज भंडारण क्या न करें क्या करें यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुडी अनुश	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है। जन्म प्रकंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है। चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिउ सेल्लियन (35.6-41°F) है। चहुत ज्यादा पानी न दें और पीधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ। पर्याप्त सूरज की रोशनी, सही मात्रा में पानी, संतुलित खाद, अच्छी हवा का प्रवाह और धीरे-धीरे कटाई							





बीटरूट - पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम बीटरूट विवाण्यांपैकी एक विवाणे तिवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्वाचे चीटरूट विवाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृपी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकृति पिके विकसित करण्याच्या उद्देशांने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे विवाणे. शेतकत्यांना उच्च दर्जाचे विवाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहसीच विवाणांच्या उत्पादना दरम्यान नदीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या बीटरूट विवाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाडतात उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृषया सर्वोत्तम शेती पद्धतीचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिकारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय पेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिकारसी वाचण्याची विनंती करतो.

		कारता। विष्या आहेत, त्यांमुळ काणताहा। तणय वण्यापूचा आस्हा तुन्हाणा या ।यकारता वाचण्याचा ।वनता करता.						
बीटरूट हायब्रीड	हीरो, हाइब्रिड. ब्रिगेड, सिंहु, सिंहु २००	00000						
कालावधी	100-115 दिवसांनी							
खरीप रब्बी	होय (थंड ठिकाणी) होय							
वसंत ऋतू सिंचनाचा स्रोत	होय बोअरवेल/ कालवा							
1014-1141 910		मानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्कता वेगवेगळी असू शकते.						
अनु. क्र.	तपशील/कामकाज /प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशीस. प्रति एकर उत्पादन						
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	तापमान: बीट हे थंड हवामानतील पीक आहे जे काटक असते आणि काही प्रमाणात थंडी सहन करते. वसंत ऋतू आणि शरद ऋतूमध्ये ते चांगले वाढते. बीट विद्याणे 18 ते 30° सेल्सिअस तापमानात मातीच्या तापमानात अंकुरते, ज्यासाठी इष्टतम तापमान 18 ते 24 ° सेल्सिअस असते.						
2	जमीन/माती	बीट हे खोल आणि चांगला निवस होणाऱ्या, सैलसा, विकलमाती ते वाळूला अभिनीत चांगले वाहले. बीटसाठी 5.8 ते 7.0 मातीचा चाम् (pH) उत्तम असतो पत्तु ते 7.6 चतिन्य साम् (pH) देखील सादन करू शकतो.						
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	उत्पादन क्षेत्रानुसार पेरणीचा काळ वेगवेगळा असतो. हिवाळ्यातील पावसाळी भागात, ऑगस्ट ते मार्च अखेर आणि थंड उन्हाळा असलेल्या भागात ऑगस्ट अखेर ते मार्चच्या मध्यापर्यंत विद्याणे पेरता येते.						
4	बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	साधारणपणे वियाणांचे प्रमाण प्रति एकरी 2-4 किलो						
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	मातीचे डेक्ळ फोडण्यासाठी 15 ते 20 सेमी खोल नांगरणी करून बीजन चांगले तयार करावे. माती शक्य तितकी समतल असावी, चांगली कणीदार असावी आणि पुरेसा ओलावा असावा.						
6	अंतर	गेरणीची खोली सुमारे 1 इंच असावी आणि वाफ्यांमध्ये 30-40 सेमी आणि रोपांमध्ये 20 सेमी अंतर ठेवावे.						
7	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	पीक लवकर उगवण्यासाठी लागवडीपूर्वी बियाणे 12 तास पाण्यात भिजवा. पर्यायी पद्धतीने वियाण्यांवर थायरम किंवा कॅप्टन 2 ग्रॅम प्रति किलो बियाण्यावर प्रक्रिया करता येते.						
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	नायट्रोजनची भूमिका खूप महत्वाची आहे. मातीच्या विश्लेपणानुसार, 120-160 किलो/एकर चुनखडी, अमोनियम नायट्रेट किंवा अमोनियम सल्फेट हे वाडीच्या हंगामात 2 किंवा 3 वेळा जमिनीत मिसळले जातात. साधारणपणे लागवडीच्या वेळी सुमारे 60 किलो/एकर नायट्रोजन दिले जाते आणि उर्वरित प्रमाण हे रोपे 10 ते 15 सेमी उंच वाढ झाल्यावर दिले जाते. पेरणीपूर्वी एकूण 200- 240 किलो/एकर सुपरफॉस्फेट आणि 80-120 किलो/एकर पोटेंशियम क्लोराईड द्यावे.						
		हे लक्षात घ्यायला हवे की या सामान्य शिफारसी आहेत आणि खतांचे प्रत्यक्ष प्रमाण माती विश्लेषणावर आधारित असले पाहिजे.						
9	पेरणीपूर्वी वियाणे प्रक्रिया	माती कथीही कोरडी होऊ देऊ नका आणि ती 20 ते 25 सेमी खोलीपर्यंत ओलसर ठेवावी. जोपर्यंत रोपे कोवळी आहेत तोपर्यंत रोपांना दररोज थोडेसे पाणी घाला.						
11	खुरपणी/आंतरमशागत	बीट पिकामध्ये तण बाडून पिकाच्या वाडीस अडथळा येऊ शकतो, तत्पूर्वीच खुरगणी करून तणांचे नियंत्रण करणे आवश्यक आहे. मुळांना इजा होऊ नये म्हणून वाभ्यातील सर्व तण हाताने काडून टाकावेत. उत्पादकाने निर्दिष्ट केलेल्या मार्गदर्शक तत्त्वांचे पालन करून रासायनिक तण नियंत्रण देखील वापरले जाऊ शकते.						
12	स्क्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	बीट लागवडीत बोरॉन, मॅगनीज आणि लोह हे तीन महत्त्वाचे सूक्ष्म पोषक घटक आहेत. माती विश्लेषणाच्या आधारे, जर या पोषक तत्वांची कमतरता असेल तर हे पोषक तत्वे पुरवण्यासाठी काळजी घेतली पाहिजे.						
13	कीटक आणि रोग नियंत्रण	मावा कीटक: फ्लोनिकामिड 50% भाआ (0.5 ग्रॅम/लिटर) लाल कोळी: फेताबक्किन 10% (0.4 मिली/लिटर) + बावफेन्त्रिन 10% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर) सर्कोस्पोरा टिगफे: मॅन्कोबेब 75% WP (2 -2.5 ग्रॅम प्रति लिटर); रोटेशन पद्धतीने पीक घेण्याची शिफारस केली जाते. तंदु-सुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉस्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) ओल्या रोग: कॅप्टन 75% WS (1.5 ते 2 ग्रॅम प्रति लिटर) खोडकूज : बीटमधील खोडकुज हा मुख्यतः बोरांनच्या कमतरतेमुळे होतो आणि म्हणूनच पुरेशा बोरॉनची देखभाल करणे महस्वाचे आहे. कमतरतेची लक्षणे नियंत्रित करण्यासाठी हंगामाच्या मध्यात 0.2% बोरिक असिड द्रावण पानांवर दोनदा फवारावे.						
14	कापणी	100-115 दिवसांच्या कालावधीत पीक कापणीसाठी तयार होते						
15	अंगेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत, चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकाचे 8-10 टन उत्पादन मिळते.						
16	साठवणूक	बीट दीर्घकाळ टिकण्यासाठी, ते थंड, काळोख असणाऱ्या, जास्त आर्द्रतेने भरलेल्या जागेत साठवा, जिये आर्द्रता जास्त असेल आणि तापमान 2 ते 5 अंत्र सेल्सिअस (35.6 ते 41 अंश फॅरेनहाइट) दरम्यान असेल.						
17	करू नका	जास्त पाणी देऊ नये आणि सावलीत लागवड करू नये.						
18	करा	योग्य सूर्यप्रकाश आणि पुरेसे सिंचन, संतुलित खते, हवा चांगली खेळती असावी आणि सावकाश कापणी□						
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित वि	- शिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृपी विभागाशी संपर्क साधा.						
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हा आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना विष	गून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात वाळगा.						





ಬೀಟ್ರ್ಯಾಟ್ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಬೀಟ್ರೂಟ್ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಟ್ರೂಟ್ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬೈಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಟ್ರೂಟ್ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹನೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.

ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

	And an of the or the days										
ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೀಟ್ ರೂಟ್	ಹೀರೋ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಬ್ರಿಗೇಡ್, ಸಿಂಧು, ಸಿಂಧು ೨೦೦										
ಅವಧಿ	100-115 ದಿನಗಳು										
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು (ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ)										
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು										
ವಸಂತ	ಹೌದು										
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್ವೆಲ್/ ಕಾಲುವೆ										
		ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ; ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು									
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು									
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ತಾಪಮಾನ: ಬೀಟ್ರೋಟ್ ತಂಪಾದ-ಹವಾಮಾನದ ಬೆಳೆಯಾಗಿದ್ದು ಇದು ಗಟ್ಟಿಮುಟ್ಟಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಸ್ವಲ್ಪ ಘನೀಕರಣವನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಇದು ವಸಂತ ಮತ್ತು ಶರತ್ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್ರ್ಯಾಟ್ ಬೀಜಗಳು 4.5 ರಿಂದ 30°C ಮಣ್ಣಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುತ್ತವೆ, ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾದದ್ದು 18 ರಿಂದ 24°C ಆಗಿದೆ. ಇದು ವಸಂತ ಮತ್ತು ಶರತ್ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್ರೂಟ್ ಬೀಜಗಳು 4.5 ರಿಂದ 30°C ಮಣ್ಣಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುತ್ತವೆ, ಅದರಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತವಾದದ್ದು 18 ರಿಂದ 24°C ಆಗಿದೆ.									
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಬೀಟ್ರ್ ಆಳವಾದ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಸಡಿಲವಾದ, ಲೋಮಿನಿಂದ ಮರಳಿನಂತಹ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್ರೂಟ್ 5.8 ರಿಂದ 7.0 ರ ಮಣ್ಣಿನ pH ಅನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡುತ್ತದೆ, ಆದರೆ 7.6 ವರೆಗಿನ pH ಅನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಲ್ಲದು.									
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಬಿತ್ತನೆಯ ಸಮಯಗಳು ಉತ್ಪಾದನಾ ಪ್ರದೇಶಗಳೊಂದಿಗೆ ಭಿನ್ನವಾಗಿರುತ್ತವೆ. ಚಳಿಗಾಲದ ಮಳೆ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಬೀಜವನ್ನು ಆಗಸ್ಟ್ನಾಂದ ಮಾರ್ಚ್ ಅಂತ್ಯದವರೆಗೆ ಬಿತ್ತಬಹುದು ಮತ್ತು ತಂಪಾದ ಬೇಸಿಗೆಯ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಆಗಸ್ಟ್ ಅಂತ್ಯದಿಂದ ಮಾರ್ಚ್ ಮಧ್ಯದವರೆಗೆ ಬಿತ್ತಬಹುದು.									
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಸಾಮಾನ್ಯ ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ 2-4 ಕೆಜಿ / ಎಕರೆ									
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಹೆಂಟೆಗಳನ್ನು ಒಡೆಯಲು ಬಿತ್ತನೆ ಮಡಿಯನ್ನು 15 ರಿಂದ 20 ಸೆಂ.ಮೀ ಆಳವಾಗಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಬೇಕು. ಮಣ್ಣು ಸಾಧ್ಯವಾದಷ್ಟು ಸಮತಟ್ಟಾಗಿರಬೇಕು, ಉತ್ತಮ ಕಣ ರಚನೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕು ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕು.									
6	ಅಂತರ	ಸುಮಾರು 1 ಇಂಚು ಬಿತ್ತನೆಯ ಆಳ, ಮತ್ತು ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 30-40 ಸೆಂ,ಮೀ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 20 ಸೆಂ,ಮೀ ಅಂತರ									
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಯನ್ನು ವೇಗಗೊಳಿಸಲು ನೆಡುವ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು 12 ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ನೆನೆಸಿ. ಪರ್ಯಾಯವಾಗಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಥೈರಾಮ್ ಅಥವಾ ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ನೌನಿಂದಿಗೆ ಪ್ರತಿ ಕೆಜಿ ಬೀಜಕ್ಕೆ 2 ಗ್ರಾಂ ದರದಲ್ಲಿ ಸಂಸ್ಕರಿಸಬಹುದು.									
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಸಾರಜನಕದ ಪಾತ್ರವು ಬಹಳ ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ. ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯನ್ನು ಅವಲಯಿಸಿ, 120-160 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸುಣ್ಣದ ಕಲ್ಲು, ಅಮೋನಿಯಂ ನೈಟ್ರೀಟ್ ಅಥವಾ ಅಮೋನಿಯಂ ಸಲ್ಫೇಟ್ ಅನ್ನು ಬೆಳವಣಿಗೆಯ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ 2 ಅಥವಾ 3 ಬಾರಿ ಹಾಕಬೇಕು. ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸುಮಾರು 60 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ನೆಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳು ಸುಮಾರು 10 ರಿಂದ 15 ಸೆಂ.ಮೀ ಎತ್ತರವಾದಾಗ ಉಳಿದದ್ದನ್ನು ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ. ಒಟ್ಟು 200-240 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸೂಪರ್ ಫಾಸ್ಫೇಟ್ ಮತ್ತು 80-120 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಪೊಟ್ಯಾಸಿಯಂ ಕ್ಲೋರೈಡ್ ಅನ್ನು ಬಿತ್ತನೆಯ ಸ್ವಲ್ಪ ಮೊದಲು ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ. ಇವು ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳು ಮತ್ತು ಗೊಬ್ಬರಗಳ ನಿಜವಾದ ಪ್ರಮಾಣವು ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯ ಮೇಲೆ ಆಧಾರಿತವಾಗಿರಬೇಕು ಎಂಬುದನ್ನು ಗಮನಿಸಬೇಕು.									
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣು ಎಂದಿಗೂ ಒಣಗಲು ಬಿಡಬಾರದು ಮತ್ತು ಅದನ್ನು 20 ರಿಂದ 25 ಸೆಂ.ಮೀ ಆಳದವರೆಗೆ ತೇವಾಂಶದಿಂದ ಕೂಡಿರುವಂತೆ ಇಡಬೇಕು. ಎಳೆಯ ಮೊಳಕೆಗಳು ಬರುವವರೆಗೆ ನೆಡುವಿಕೆಗೆ ಪ್ರತಿದಿನ ಕಡಿಮೆ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ನೀರು ಹಾಕಬೇಕು.									
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಅಂತರ-ಬೇಸಾಯ	ಕಳೆಗಳು ಬೀಟ್ ಮೊಳಕೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಪೈಪೋಟಿ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಅಡ್ಡಿಯಾಗುವ ಮೊದಲು ಅವುಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಬೇಕು. ಬೇರುಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗದಂತೆ ಸಾಲುಗಳ ನಡುವಿನ ಎಲ್ಲಾ ಕಳೆಗಳನ್ನು ಕೈಯಿಂದ ತೆಗೆದುಹಾಕಬೇಕು. ತಯಾರಕರು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಿದ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ರಾಸಾಯನಿಕ ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣವನ್ನು ಸಹ ಬಳಸಬಹುದು.									
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಬೋರಾನ್, ಮ್ಯಾಂಗನೀಸ್ ಮತ್ತು ಕಬ್ಬಿಣವು ಬೀಟ್ ಕೃಷಿಯಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯವಾದ ಮೂರು ಪ್ರಮುಖ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಾಗಿವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ, ಈ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಕೊರತೆಯದ್ದರೆ, ಈ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲು ಕಾಳಜಿ ವಹಿಸಬೇಕು.									
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಗಿಡಹೇನು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಕೆಂಪು ಜೀಡ: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಕೆಂಪು ಜೀಡ: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 510% (0.4 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) + ಬೈಫನ್ಥ್ರಾನ್ 10% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಸರ್ಕೋಸ್ಟೋರಾ ಎಲೆ ಚುಕ್ಕೆ : ಮ್ಯಾಂಕೋಜೆಬ್ 75% WP (ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ಗೆ 2-2.5 ಗ್ರಾಂ); ಬೆಳೆ ಪಲ್ಲಟವನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡ್ಯಾಂಪಿಂಗ್ - ಆಫ್: ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 75% WS (1.5 ರಿಂದ 2 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಹಾರ್ಟ್ ರಾಟ್: ಬೀಟರ್ರೂಟ್ಗಳಲ್ಲಿ ಹಾರ್ಟ್ ರಾಟ್ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಬೋರಾನ್ ಕೊರತೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುತ್ತದೆ, ಮತ್ತು ಆದ್ದರಿಂದ ಸಾಕಷ್ಟು ಬೋರಾನ್ ಅನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುವುದು ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ, ಕೊರತೆಯ ಲಕ್ಷಣಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಮಧ್ಯ-ಋತುವಿನಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಾರಿ 0.2% ಬೋರಿಕ್ ಆಸಿಡ್ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಬಹುದು.									
14	ಕೊಯ್ಲು	ಬೆಳೆಯು 100-115 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತದೆ									
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 8-10 ಟನ್ ಇಳುವರಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.									
16	ಶೇಖರಣೆ	ಬೀಟ್ಗಳ ಶೆಲ್ಫ್ ಲೈಫ್ ಅನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು, ಅವುಗಳನ್ನು ತಂಪಾದ, ಕತ್ತಲೆಯಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ತೇವಾಂಶದೊಂದಿಗೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ, ಆದರ್ಶವಾಗಿ 2 ರಿಂದ 5 ಡಿಗ್ರಿ ಸೆಲ್ಸಿಯಸ್ (35.6 ರಿಂದ 41 ಡಿಗ್ರಿ ಫ್ಯಾರನ್ಹೀಟ್) ನಡುವೆ ಇಡಬೇಕು.									
17	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಅತಿಯಾಗಿ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಬೇಡಿ, ಮತ್ತು ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ನೆಡಬೇಡಿ.									
18	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ಸರಿಯಾದ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರಾವರಿ, ಸಮತೋಲಿತ ಗೊಬ್ಬರ, ಉತ್ತಮ ಗಾಳಿ ಪರಿಚಲನೆ ಮತ್ತು ಮೃದುವಾದ ಕೊಯ್ಲು									
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ	್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.									
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು		ದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ನಿಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.									





బీట్ రూట్ లో పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

బట రాట్ లో పోటించవలనన ఆచరణల పాకేజీ శుభాకాంక్షలు! క్రిఫల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన బీటీ రాట్ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీద ఎందుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన బీటీ రాట్ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిఫల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటీని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్యడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిఫల్ అత్యాధునిక టెక్కాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిఫల్ బీట్ రూట్ విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక్ పత్తిడికి తట్టుకునే సామర్యముతో అద్భుత్తమైన ములకెత్త తత్వాలను ఓ మర్చిన బలసుమున కలిగిన్నలుయి. పాటుంచంది. క్రిస్తల్ సుహన్హమున మార్గుముతో అద్భుత్తమని ములకెత్త తత్వాలను మర్చిన ప్రావేశాలను కాట్ సిన్మాలను కూడానిన్న సహన్హమన మర్గుముతో అన్నుత్తన్న ప్రావేశాలను కూడానిని మర్గుముతో అన్నమైన చిర్గనాయి. కామార్యముతో అన్నమైన దిర్శుత్తి కామార్యముత్త కుట్టుకునే సామర్యముతో అన్నమైన మర్గుత్తుంది.

3 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	စ်ာင် , (ညီဂိုဇ် , လဝှယ									
<mark>హ్మబిడ్ బిట్ రూట్</mark> ాలము పరిమితి	100-115 DAS	<u> </u>								
లీమ్ ఎంమిత	100-113 DAS	-								
<u>್ಷ</u>	అవును									
బ సంత కాలము	- అవ్వను									
టి పారుదల వనరు		-								
<u> </u>		రిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు								
<u>క్ర</u> . సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్ఫుట్								
1	పాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-	ఉహ్హో (గత: బీట్ రూట్ చల్లని-వాతావరణ పంట ఇది బలముగా నిలబడుతుంది మరియు కొంత వరకూ గఢకేళ్లే వాతావరణముని తట్టుకుంటుంది. ఇది వసంత కాలము మరియు ఆకురాలు కాల్రములో బాగా ఎదుగుతుంది. బీట్ రూట్ విత్తనాలు 4.5 నుంచి 30℃ మట్టి								
1	వాతావరణ జోన్									
	V-0. (V-12	ఉష్యో గ్రతలలో మొలకెత్తుతాయి, వీటికి 18 నుంచి 24 °C ఉష్యో గ్రత ఉత్తమమైనది.								
2	భూమి/మట్టి	బాగా లోతుగా వృండెది మరియు నీరు బాగా-ఇంకె, వదులుగా వుండె, లోమీ నుంచి ఇసుకగా వుండే నేలల్లో బీట్ రూట్ బాగా పండుతుంది. బీట్ రూట్ కి మట్టి pH 5.8 నుంచి 7.0 వరక వుండాలి, కానీ ఇది 7.6 pH వరకూ తట్టుకోగలదు.								
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	ఉత్పత్తి [పాంతాలని బట్టి విత్తే సమయము మారుతుంది. శీతాకాలములో వాన పడే ప్రాంతాలలో, విత్తనాలను ఆగస్ట్ నుంచి మార్చి చివరి వరకూ నాటవచ్చు మరియు వేసవి చల్లగా వుండే [పాంతాలలో ఆగస్ట్ నుంచి మార్చి మధ్య వరకూ నాటవచ్చు.								
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	సాధారణ విత్తనము రేట్ 2-4కిలోలు/ఎకరానికి								
5	పధానమైన పొలముని తయారు చేయడము	నేలను 15 to 20 cm లోతుగా దున్ని మట్టి వృండలను విడదీసి సీడ్ బెడ్డను బాగా తయారు								
	మరియు నాటడము	చేయాలి. మట్టి ఎంత వరకూ సాధ్యమైతే అంత వరకూ ఒకే సమానమైన సమాంతరముగా వుండాలి, మంచి ముక్కల నిర్మాణము మరియు సరిపడిన తేమ కలిగివుండాలి.								
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	నా టే లోతు 1 ఇంచ్, రెండు రో ల మధ్య దూరము 30-40cm మరియు మొక్కల మధ్య దూరము 20 cm వుండాలి								
7	వీత్తే ముందు వీత్తనముని శుధ్ధి చేయడము	మొలకెత్తడముని వేగవంతము చేయడానికి విత్తనాలను నాటే 12 గంటల ముందు నీటిల్ నానబెట్టండి. [ప్రత్యామ్నాయముగా విత్తనాలను థిరమ్ లేదా కప్తాన్ తో కిలో వితనానికి 2 [గ్రాముల లెక్కన శుధ్ధి చేయవచ్చు.								
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టీలైజర్లు	న(తజని పాత్ర చాలా ముఖ్యమైనది. మట్టి విశ్లేషణను అనుసరించి మొక్కలు ఎదిగే కాలములో ఎకరానికి/120-160 కిలోల సున్నపురాయి, అమోనియమ్ నై[టేట్ లేదా అమోనియమ్ సల్ఫేట్ ని 2 లేదా 3 (డెస్సింగులు అప్లై చేస్తారు. నాటే కాలములో ఎకరానికి/60 కిలోల న(తజనిని అప్లై చేస్తారు మరియు మిగిలినది మొక్కలు 10 నుంచి 15 cm ఎత్తుకి వచ్చినప్పుడు అప్లై చేస్తారు. విత్తే సరిగ్గా ముందు ఎకరానికి/200-240 కిలోల సూపర్ ఫాస్ఫేట్ మరియు ఎకరానికి/80-120 కిలోల పొటాషియం క్లోరైడ్ మొత్తము మీద ఆ చేసారు.								
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి ఎప్పుడూ పొడిగా అవ్వనివ్వకండి మరియు దానిని 20 నుంచి 25 cm లోతు వరకూ తేమగా వుండేలా చూసుకోండి. విత్తులు నాటిన తరవాత వాటికి లేత మొలకలు వచ్చే వరక ్టపతి రోజూ తేలికపాటిగా నీరు అందించండి.								
11	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత-కల్టివేషన్	బేట్ మొలకల ఎదుగుదలతో కలుపు మొక్కలు పోటికి వచ్చే లోపే వాటిని కం[టోల్ చేయండి. రో ల మధ్యలోని అన్ని కలుపు మొక్కలను చేతితో తొలగించాలి తద్వారా అసల మొక్కల వేళ్ళకి నష్టము కలుగకుండా చేయవచ్చు. తయారీదారు అందించిన గైడ్డైన్లను పాటించి రసాయన పరముగా కలుపు మొక్కల కం[టోల్ కూడా చేయవచ్చు.								
12	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ (స్పేలు	బిట్ వ్యవసాయానికి బోరాన్, మాంగనీస్ మరియు ఇనుము అనేవి మూడు ముఖ్యమైన కీల సూక్ష్మపోషకాలు. మటి విశ్లేషణ ఆధారముగా, ఈ పోషకాల లోపము వుంటే, ఈ పోషకాలను అందించడానికి శ్రధ్ధ తీసుకోవాలి.								
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 గ్రాములు) ఎర్ర సాలీడు పురుగులు: ఫెనాజ్కివ్రన్ 10% (లీటరు/0.4ml) + బిఫ్సెన్టిన్ 10% EC (లీటరు/0.5 నుంచి 1 ml) సెర్కోస్పారా ఆకు మచ్చలు: మాన్కేజెబ్ 75% WP (లీటరుకి 2-2.5 (గ్రాములు); పంటల రోటేషన్ చేయాలని ఎక్కువగా సూచిస్తారు డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిప్లోక్స్మేస్టోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి (గ్రాములు) నారు కుళ్ళు తెగులు: కాప్తాన్ 75% WS (లీటరుకి 1.5 నుంచి 2 (గ్రాములు) మొక్కల కాండము మధ్యలో కుళ్ళే తెగులు: బీట్ రూట్ లో మొక్కల మధ్యలో కాండము కుళ్ళడము అనేది బోరాన్ లోపము వల్ల ఎక్కువగా జరుగుతుంది, కాబట్టి సరిపడిన (ప్రమాణములో బోరాన్ మొక్కలకి అందేలా మెయింటెన్ చేయడము కీలకము. పంట మధ్యలా								
14	<u>ା</u> ଝେଡ	ద్వారా లోపపు లక్షణాలను కం[టోల్ చేయవచ్చు. పంట 100-115 DAS వధ్ద కొతకి సిధముగా వుంటుంది								
15	S ප ಆಳಿಂದೆ ದಿಗುಬಡಿ	సరైన పరిస్థితులలో, పంటను బాగా మేనేజ్ చేస్తే 8-10 టన్నుల దిగుబడి వస్తుంది.								
16	స్టోర్ చేయడము	బీట్ రూట్ల షెల్ఫ్ లెఫ్ గరిఫము చేయడానికి, వాటిని అధికమైన తేమ కలిగిన చల్లని, చీక ప్రదేశములో సరిగ్గా 2 మరియు 5 డిగ్రీల సెల్పియస్ (35.6 నుంచి 41 డిగ్రీల ఫారస్టీట్) వర్త ఫోర్ చేయండి								
177										
17	చేయకూడనివి - చేయవలసినవి	అధికముగా నీరు పెట్టకండి, మరియు నీడలో మొక్కలను నాటకండి. సరైన సూర్యరశ్మి మరియు సరైన నీటి పారుదల, సమతుల్యమైన ఫలదీకరణ, మంచిగా గాలి సంచారము మరియు మెల్లిగా చేసే కోతలు								
మనిక	। పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు స రా(ఫ్ల్మేస్టానిక వ్యవసాయ శాఖను సం(పదించండి.	၂(గాల నిందారము మంయు మల్లగా చెన్ని కాలకు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ								
ాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాం	ల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టో, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు మీ అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే								



দতৰ্কতা

উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।



অভিনন্দন। আপনি ক্রিণ্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট বিউরুট বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের বিউরুট বীজগুলি উপোদনে ক্রিণ্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গরেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জুলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফর্যনের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধানক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালর বিটরুট বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্জুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোন্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ন। হাইব্রিড ব্রিগেড, সিংধু, বিটরুট সিংধ ২০০ সময়সীমা 100-115 DAS খরিফ হাাঁ (ঠান্ডা স্থানে) রবি হ্যাঁ বসন্ত সচের বোরওয়েল/ খাল টেংস অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি নম্বর তাপমাত্রা: বিটরুট একটি ঠান্ডা-আবহাওয়ার ফসল যা শক্ত এবং হালকা ঠান্ডা সহ্য করে। এটি বসন্ত এবং শরতে সবচেয়ে ভালোভাবে বিকাশ পায়। বিটরুটের এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন 1 বীজগুলি সর্বোন্তম 18 থেকে 24 °সেন্টিগ্রেড সহ, 4.5 থেকে 30°সেন্টিগ্রেড মাটির তাপমাত্রায় অঙকুরিত হয়। বিটরুট গভীর, সু-নিষ্কাশিত, ঝুরঝুরে, দোআঁশ থেকে বালুকাময় মাটিতে সবচেয়ে ভালোভাবে জন্মায়। বিটরুট 5.৪ থেকে 7.0 এর মাটি পছন্দ করে, কিন্তু 7.6 পর্যন্ত জমি / মাটি 2 nH সহ্য করতে পারে। বপনের সময় উংপাদন এলাকা ভেদে পরিবর্তিত হয়। শীতকালীন বৃষ্টিপাতযুক্ত এলাকায়, বীজ ঠান্ডা গ্রীষ্মযুক্ত এলাকায় আগস্ট থেকে মার্চের শেষ পর্যন্ত এবং ঋতু। বপন/রোপণের সময় 3 আগস্টের শেষ থেকে মার্চের মাঝামাঝি পর্যন্ত বপন উপযুক্ত। বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি। 2-4কেজি/একর এর সাধারণ বীজের হার 4 সীডবেড মাটির চেলা ভাঙতে 15 থেকে 20 সেন্টিমিটার গভীর চাষ করে ভালোভাবে প্রস্কৃত করতে হবে। মাটি যতটা সম্ভব সমতল হওয়া. ভালো ক্রাম্ব স্টাকচার মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ 5 এবং পর্যাপ্ত আর্দ্রতা থাকা উচিং। প্রায় 1 ইঞ্চি গভীরে বপন করা উচিৎ সারির মধ্যে 30-40 সেন্টিমিটার ফাঁকে এবং উদ্ধিদের মধ্যে 20 সেন্টিমিটার ফাঁকে 6 काँवर রোপণের আগে দ্রুত অঙকুরিদগমের জন্য 12 ঘন্টার জন্য বীজ্গুলি জলে ভিজিয়ে রাখুন। ব্যতিক্রমভাবে বীজগুলি বীজের প্রতি কেজিতে 2 গ্রামে খিরাম অথবা বপনের আগে বীজের পরিচর্যা 7 ক্যাপ্টানের সঙ্গে প্রয়োগ করা যেতে পারে। নাইট্রোজেনের ভূমিকা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। মার্টির বিশ্লেষণের উপর নির্ভর করে, 120-160 কেজি/একর চুনাপাথর, অ্যামোনিয়াম নাইট্রেট অথবা অ্যামোনিয়াম সালফেট বিকাশের মরশুমে 2 অথবা ওবার ছড়িয়ে দেওয়া হয়। সাধারণত রোপণের সময় প্রায় 60 কেজি/একর নাইটোজেন দেওয়া হয় এবং বাকি উদ্ধিদগুলি প্রায় 10 থেকে 15 সেন্টিমিটার লম্বা হলে দেওয়া হয়। মোট 200-240 কেজি/একর সুপারফসফেট এবং 80-120 কেজি/একর পটাশিয়াম ক্লোরাইড বপনের ঠিক আগে জৈব এবং রাসায়নিক সার এটি লক্ষ্য করা জরুরি যে এগুলো সাধারণ সুপারিশ, এবং সারের প্রকৃত পরিমাণ মাটির পরীক্ষার ভিন্তিতে নির্ধারণ করা উচিং। মাটিকে কখনও শুকিয়ে যেতে দেওয়া উচিং নয় এবং এটি 20 থেকে 25 সেন্টিমিটার গভীর পর্যন্ত আর্দ্র রাখা উচিং। উদ্ভদিগূল**োক্দ্**রতদিনিহালকা জল দওেয়া সেচের সময়সচী 9 উচিং যতক্ষণ না নতুন অঙ্কুর বের হয়। ক্ষেতে আগাছা নিয়ন্ত্রণ করতে হবে যাতে তা বিটের অঙকুরের সঙ্গে প্রতিযোগিতা না করে এবং তাদের বিকাশে বিঘ্ল না সৃষ্টি করে। সারির মধ্যে থাকা সব আগাছা আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা হাত দিয়ে সরাতে হবে যাতে মূল ক্ষতিগ্রস্ত না হয়। রাসায়নিক আগাছা নিয়ন্ত্রণ উংপাদকের দ্বারা নিচের নির্দিষ্ট নির্দেশিকাও ব্যবহার করতে পারে। বীট চাষে বোর্ন, ম্যাঙ্গানিজ এবং লোহা হল তিনটি গুরুত্বপূর্ণ ক্ষুদ্রপুষ্টি উপাদান। মাটির বিশ্লেষণের ভিন্তিতে, যদি এই পুষ্টি উপাদানগুলো অভাবিত হয়, তবে 12 ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান এগুলো সরবরাহ করার জন্য সতর্কতা অবলম্বন করতে হবে। এফিডস: ফ্লোনকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) লাল মাকড়সা: ফেনাজকুইন 10% (০.4মিলিলিটার/লিটার) + বাইফেনথ্রিন 10% EC (০.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার) সেরকোস্পোরা পাতার দাগ ম্যানকোজের 75% WP (2-2 5 গাম পতি লিটার): ফসল চক্র অতান্ত সপাবিশযোগ্য ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফুক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ 13 ডাম্পিং-অফ: ক্যাপটান 75% WS (1.5 থেকে 2 গ্রাম প্রতি লিটার) হাঁট রট: বিটের মূলের হার্ট রট প্রায়শই বোর্নের অভাবে হয়, তাই পর্যাপ্ত বোর্ন নিশ্চিত করা গুরুত্বপূর্ণ। অভাবের লক্ষণ নিয়ন্ত্রণ করতে মধ্যমৌসুমে পাতার উপর 0.2% বোরিক অ্যাসিড দ্রবণ দুইবার ছিটানো যেতে পারে। क्रञल कांनि 100-115 DAS তে ফসল কাটাব জন্য প্রস্তুত প্রত্যাশিত ফলন আদর্শ পরিস্থিতিতে, সঠিকভাবে পরিচালিত ফসল থেকে ৪-10 টন ফলন পাওয়া যায়। 15 বিটের শেলফ লাইফ বাড়াতে এগুলো ঠান্ডা, অন্ধকার এবং আর্দ্র পরিবেশে সংরক্ষণ করতে হবে, আদর্শ তাপমাত্রা 2 এবং 5 ডিগ্রি সেলসিয়াস (35.6 থেকে 41 সংরক্ষণ 16 ডিগ্রি ফারেনহাইট) হওয়া উচিৎ অতিরিক্ত সেচ করবেন না এবং ছায়ায় বোনা উচিৎ নয়। করবেন না 17 করবেন উপযুক্ত সূর্যালোক এবং পর্যাপ্ত সেচ, সুষম সার প্রয়োগ, ভালো বাতাস চলাচল এবং নরমভাবে ফসল কাটা উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন। দুষ্টব্য চসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে গুধুমাত্র





বিট্ৰুট অনুশীলনৰ পেকেড

আভনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট বীটৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ বিট বীজি উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় আভজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বিট্ৰ'ট বীজে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।

অনুগ্ৰহ কৰি উংকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উংকৃষ্ট উংপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো হীৰো. হাইব্ৰিড. বিট্ৰ'জ হাই ব্রিগেড সিংধু সিংধু ২০০ সময়কাল 100-115 DAS হয় (শীতল ঠাইত) খাৰিফ ৰাবি হয় বসন্ত হয় জলসিঞ্চন ব'ৰৱেল/ কেনেল অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে। ক্রামক সবিশেষ/কার্য্য্য/অনুশীলন কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট নম্বৰ উষ্ণতা: বীটৰুট হৈছে শীতল বতৰৰ শস্য যি কঠিন আৰু কিছু জমা সহ্য কৰে। ই বসন্ত আৰু গ্ৰীষ্মকালত ভালকৈ বৃদ্ধি পায়। অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল 1 বীজৰ বীজবোৰ মাটিৰ তাপমাত্ৰাত 4.5ৰ পৰা 30°C ত গজায়, ইয়াৰ সৰ্বোত্তম তাপমাত্ৰা 18ৰ পৰা 24°C। বীটৰুটে গভীৰ আৰু ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা, ঢিলা, লোমযুক্তৰ পৰা বালিচহীয়া মাটিত সৰ্বোত্তম কাম কৰে। বীটৰুটে মাটিৰ ভূমি / মাটি 2 pH5.8 ৰ পৰা 7.0 পছন্দ কৰে, কিন্তু 7.6 পৰ্যন্ত pH সহ্য কৰিব পাৰে। বীজ সিঁচাৰ সময় উৎপাদন ক্ষেত্ৰ অনুসৰি পৃথক হয়। শীতকালীন বৰষুণ হোৱা অঞ্চলত, বীজ আগষ্টৰ পৰা মাৰ্চৰ শেষলৈকে আৰু ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময় 3 শীতল গ্ৰীষ্ম থকা অঞ্চলত আগষ্টৰ শেষৰ পৰা মাৰ্চৰ মাজলৈকে সিঁচিব পাৰি। বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি 2-4 কেজি /বিঘা মাটিত সাধাৰণ বীজ ৰোপণ 4 বীজতলী ভালদৰে সাজু কৰি 15ৰ পৰা 20 ছেঃমিঃ গভীৰতাত খেতি কৰি গুটিবোৰ ভাঙি পেলাব লাগে। মাটিও যথাসম্ভৱ সমতল 5 মৃল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ হোৱা উচিত, ভাল ভাঁজ গঠন আৰু পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা থকা উচিত। প্ৰায় 1 ইঞ্চি গভীৰতাত সিঁচা, আৰু শাৰীসমহৰ মাজত 30-40 ছেঃমিঃ আৰু উদ্ভিদৰ মাজত 20 ছেঃমিঃ ব্যৱধান ব্যৱধান 6 বীজ ৰোপণ কৰাৰ আগতে 12 ঘন্টাৰ বাবে পানীত ভিজাই থওক যাতে বীজবোৰ দ্ৰুতগতিত গজিব পাৰে। বিকল্পভাৱে বীজসমূহক বীজে সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ 7 প্ৰতি কেজি বীজত 2গ্ৰাম থাইৰাম বা কেপ্টান শোধন কৰিব পাৰি। মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি 120-160 কেজি/একৰ আৰ্দ্ৰ শিল, এমোনিয়াম নাইট্ৰেট বা এমোনিয়াম ছালফেট 2 বা 3 টা ডেছিঙত বদ্ধিৰ সময়ছোৱাত প্ৰয়োগ কৰা হয়। প্ৰায় 60 কেজি/একাৰ নাইট'জেন সাধাৰণতে ৰোপণৰ সময়ত আৰু বাকীখিনি যেতিয়া উদ্ভিদবোৰ প্ৰায় 10ৰ পৰা 15 ছেঃমিঃ উচ্চ হয় তেতিয়া প্ৰয়োগ কৰা হয়। বীজ সিঁচাৰ পূৰ্বে 200-240 কেজি/একৰ 8 সাৰ আৰু সাৰুৱা পদাৰ্থ ছুপাৰফছফেট আৰু ৪০-120 কেজি /একৰ পটাছিয়াম ক্ল'ৰাইড প্ৰয়োগ কৰা হয়। মন কৰিবলগীয়া যে এইবোৰ সাধাৰণ পৰামৰ্শ আৰু প্ৰকৃত সাৰৰ পৰিমাণ মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি নিৰ্ণয় কৰা উচিত। মাৰ্টি কেতিয়াও শুকাবলৈ দিব নালাগে আৰু ইয়াক 20ৰ পৰা 25 ছেঃমিঃ গভীৰতালৈকে আৰ্দ্ৰ কৰি ৰাখিব লাগে। গছপুলিবোৰত জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী 9 প্ৰতিদিনে হালধীয়া পানী প্ৰয়োগ কৰিব লাগে যেতিয়ালৈকে নৱজাতক গছপুলি ওলাই নাহে। বীটৰ পুলিৰ লগত প্ৰতিদ্বন্দ্বিতা কৰিব পৰাৰ আগতে আৰু ইয়াৰ বৃদ্ধিত বাধাৰ সৃষ্টি কৰাৰ আগতে অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব লাগিব। 11 ঘাঁহ কাটি/আন্তঃ-সংস্কৃতি শাৰীবোৰৰ মাজত থকা সকলো শাক-পাচলি শিকলিৰ ক্ষতি ৰোধ কৰিবলৈ হাতেৰে কাটি পেলাব লাগে। নিৰ্মাতাই নিৰ্ধাৰণ কৰা নিৰ্দেশনাৱলী অনুসাৰে ৰাসায়নিক ঘাঁহনিৰোধকও ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। ব'ৰন, মেংগানিজ আৰু আয়ৰন হ'ল বীট খেতিৰ বাবে গুৰুত্বপূৰ্ণ তিনিটা প্ৰধান ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি পদাৰ্থ। মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ভিত্তিত, যদি এই ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে 12 পুষ্টিৰ অভাৱ হয়, এই পুষ্টি প্ৰদান কৰিবলৈ যত্ন ল'ব লাগিব। এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50% WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ৰঙা মকৰা: ফেনাজকইন 10% (0.4 মিলি) + বিফেনথ্রিন 10% EC (0.5ৰ পৰা 1 মিলি) চেৰক'স্প'ৰা পাতৰ দাগ : মানকোজেব 75% WP (প্ৰতি লিটাৰত 2 -2.5 গ্ৰাম); শস্য আৱৰ্তন কৰাটো অতিশয় বাঞ্ছনীয় ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ 13 আৰ্দ্ৰতা: কেপ্টান 75% WS(1.5ৰ পৰা 2 গ্ৰাম প্ৰতি লিটাৰ) হাৰ্ট পচা: বীটৰ হাৰ্ট পচা বেছিভাগেই ব'ৰৰ অভাৱৰ বাবে হয়, আৰু সেয়ে পৰ্যাপ্ত ব'ৰ'ন ৰক্ষণাবেক্ষণ গুৰুত্বপূৰ্ণ। বোৰিক এচিডৰ 0.2% দ্ৰৱটো ঋতৰ মাজভাগত দবাৰ পাতলীয়া গছজোপাৰ ওপৰত স্প্ৰে কৰিব পাৰি যাতে অভাৱৰ লক্ষণসমূহ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব পাৰি। শস্য চপোৱা 100-115 DAS শস্য চপোৱাৰ বাবে সাজু 14 ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদৰ্শ পৰিস্থিতিত ৪-10 টন উৎপাদন হয়। প্রত্যাশিত উৎপাদন 15 বুটুৰ শেল্ফ লাইফ সৰ্বাধিক কৰিবলৈ ইয়াক অধিক আৰ্দ্ৰতা থকা শীতল, আন্ধাৰ ঠাইত ৰাখিব লাগে, আদৰ্শগতভাৱে 2ৰ পৰা 5 সংৰক্ষণ 16 ডিগ্ৰী চেলছিয়াছৰ ভিতৰত (35.6ৰ পৰা 41 ডিগ্ৰী ফাৰেনহাইট)

17	নকৰিবা	ৰিক্ত জলসিঞ্চন নকৰিব, আৰু ছাঁত ৰোপণ নকৰিব।								
18	কৰিবা	সঠিক সূৰ্যৰ পোহৰ আৰু পৰ্যাপ্ত জলসিঞ্চন, সুষম সাৰ, ভাল বায়ু চলাচল আৰু মৃদু শস্য								
টোকা	ৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে গাযোগ কৰক।									
		বোগাবোগ কৰক। শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উংপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।								





ବିଟରୁଟ୍ ଅଭ୍ୟାସର ପ୍ୟାକେଡ

ଅଭିନନ୍ତୀ ଆପଣ ତ୍ରିଷ୍ୟକ୍ଷ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭାକ ବିଚରୁଟ୍ ବିହନ ମଧ୍ୟର ଗୋଟିଏ ବାଞ୍ଜିଛଛି । ବିଷ୍କାରର ଭିନମାନେ ବିଚରୁଟ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ଦୃଟ ଅଭିଞ୍ଚଟା ଅଛି। ଏହି ବିହନସୁଦ୍ୱିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଶଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଇଥ୍ୟ ବିଷ୍କିକ ବିଷ୍କାର ପାଇଁ ଉପନ୍ତୁକ ଭଳ-ଅମଳନ୍ତମ ହାଉକ୍ତି ଦେଶିକ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷମାନେ ସବର୍ଦ୍ଧେକ ସ୍ଥେତ ବିହେ ପାଇଁ ବିଷ୍କାକ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ କୃତନତମ ପୁଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। ତ୍ରିଷ୍କାର ବିଚରୁଟ ବିହନ ବୈଷ୍ଟିକ ବଙ୍ଘ ଅଟୈକ ବେ ପା ପ୍ରତି ସହଳାକଳା ସହିତ କତୃକ୍ତ ଅକୁଦ୍ୱାଦରଣ ଏକ "ଭେମ ଭିଟି ପ୍ରଦ୍ୟାକ ବେମ ଉତ୍କର୍ଷ୍ଣ ଅମଳ ପାଇଁବ ଯୋକରି ସର୍ବୋଜମ କୃଷି ପବତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ମଲିଷ୍ଟ୍ର ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶସୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପରି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ

ବଧ୍ 100-115 DAS ହଁ (ଥଣ୍ଡା ସ୍ଥାନଗୁଡ଼ିକରେ) ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନସୂଟ୍ ଚାପମାତ୍ରା: ବିଟରୁଟ୍ ଏକ ଥିୟା ଋତୁର ଫସଲ ଅଟେ ଯାହା ଦୃଢ଼ ଥାଏ ଏବଂ କିଛି ପରିମାଣର ଥିୟା ମଧ୍ୟ ସହ୍ୟ କରିପାରେ । ଏହା ବସନ୍ତ ଏବ ଶରତ ରତୁରେ ଭଲ ଭାବରେ ବଢ଼ିଥାଏ । ବିଟରୁଟର ମଞ୍ଜିଗୁଡିକ ମାଟିର ତାପମାତ୍ରା 4.5 ରୁ 30 ଡିଗ୍ରୀ ସେଲସିୟସ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରହି ଗଜା ହୁଏ, କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯକ୍ତତା ଯାହାର ସଁର୍ବୋଭମ ତାପମାତ୍ରା 18 ରୁ 24 ଡିଗ୍ରୀ ସେଲସିୟସି ରହିଥାଏ। ବିଟରୁଟ୍ ଗଭୀର ଏବଂ ଭଲ ଜଳ ନିଷାସନ ହୋଇଥିବା, ବିଲା, ଦୋରସାରୁ ନେଇ ବାଲିଆ ମାଟିରେ ଭଲ ବଢ଼ିଥାଏ । ବିଟରୁଟ୍ ଗଛ 5.8 ରୁ 7.0 ମାଟିର ପିଏଚ୍ ପସନ୍ଦ କରେ, କିଚ୍ଚ 7.6 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପିଏଚ୍ ସହୀ କରିପାରେ । ଭୂମି / ମାଟି 2 ଉତ୍ପାଦନ କ୍ଷେତ୍ର ଅନୁସାରେ ବୁଶିବା ସମୟ ଭିକ୍ଟ ହୋଇଥାଏ। ଶୀତକାଳୀନ ବର୍ଷା ଅଞ୍ଚଳରେ, ଅଗଷ୍ଟ ମାସର ଶେଷରୁ ମାର୍ଚ୍ଚ ନାସର ଶେଷ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏବଂ ଥର୍ଣ୍ଣା ଗ୍ରୀଷ୍ପ ଋତୁ ଥିବା ଅଞ୍ଚଳରେ ଅଗଷ୍ଟ ମାସର ଶେଷରୁ ମାର୍ଚ୍ଚ ମାସର ମଧ୍ୟଭାଗ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିହନ ବୁଣାଯାଇପାରିବ। ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ ଢେଲା ଭାଙ୍ଗିବା ପାଇଁ 15 ରୁ 20 ସେମି ଗଭୀର ହଳ କରି ବିହନ ଶଯ୍ୟାକୁ ଭଲ ଭାବରେ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା ଭଚିତ। ମାଟି ଯଥାସମନ ସମତଳ ହେବା ଭଚିତ, ଭରପୁର ଗଠନ ଏବଂ ପର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ରହିବା ଭଚିତ। ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ ବୁଣା ଗଲୀରତା ପ୍ରାୟ 1 ଇଞ୍ଚ, ଧାଡି ମଧ୍ୟରେ 30-40 ସେମି ଏବଂ ଗଛ ମଧ୍ୟରେ 20 ସେମି ବ୍ୟବଧାନ ରଖିବା ଉତିତ୍ । ନୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର

ଅକୁର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ବିହନ ଲଗାଇବା ପୂର୍ବରୁ 12 ଘଣ୍ଟା ପାଣିରେ ବୁଚାଇ ରଖନ୍ତୁ। ବିକଳ୍ପ ଭାବରେ ବିହନକୁ ପ୍ରତି କିଲୋଗ୍ରାମ ବିହନ ପାଇଁ 2 ଗ୍ରାମ ହିସାବରେ ଥିରାମ କିମ୍କା କ୍ୟାପ୍ଟନ ସହିଚ ବିଶୋଧନ କରାଯାଇପାରିବ। ନାଇଟ୍ରୋଜେନର ଭୂମିକା ବହୁତ ଗୁରୁବ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ। ମାଟି ବିଶ୍ଳେଷଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ଏକର ପ୍ରତି 120-160 କିଲୋଗ୍ରାମ ଚୂନପଥର, ଆଧମୋନିୟମ୍ ନାଉତ୍ତେହି ବିମ୍ବ ଆମୋନିୟମ୍ ସଲଫେନ୍, ବହୁଥିବା ଉତ୍ତର ୬ ବିଦା ଅଟି ହେଉଁ ଅଟି ICL-ICU କରଣାଧାରୀ ହୁ ଅଟିପଥିବା ମଧ୍ୟ ଅଧମୋନିୟମ୍ ନାଉତ୍ତେହି ବିମ୍ବ ଆମୋନିୟମ୍ ସଲଫେନ୍, ବହୁଥିବା ଉତ୍ତର 2 ବିଦା ଅଟି ତ୍ୱେହିବିତ ପ୍ରଧୋଗ କରାଯାବା ସ୍ଥାୟ to କୁ 15 ବେମ ବିଜ୍ୟାନ୍ତାମ /ଏକର ନାଜତ୍ୱୋବେନ୍ ସାଧାରଣଙ୍କ ଇଗାଇବା ସମୟରେ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯାବ ଏବଂ ବାକି ଉକ୍ଷକ୍ରହିକ ପ୍ରାୟ 10 ରୁ 15 ବେମି ଉଚ୍ଚ ହେଉ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯାବା ବୁହିର ସହିରୁ ଏକର ପ୍ରହି 200-240 ବିଲୋଗ୍ରାମ ସ୍ୱପରଫସଫେଟ୍ ଏବଂ ଏକର ପ୍ରତି 80-120 ବିଲୋଗ୍ରାମ ପୋଟାସିୟମ୍ କ୍ଲୋରାଇଡ୍ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯାବା । ଖନ ଏବଂ ସାର ଏହା ମନେ ରଖିବା ଉଚିତ ଯେ ଏଗୁଡ଼ିକ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶ ଅଟେ ଏବଂ ପ୍ରକୃତ ସାର ପରିମାଣ ମୃଭିକା ବିଶ୍ଳେଷଣ ଉପରେ ଆଧାରିତ ହେବ ମାଟିକୁ କେବେବି ଶୁଖିବାକୁ ବିଆଯିବା ଭଚିତ୍ ନୁହେଁ ଏବଂ ଏହାକୁ ୬୪ରୁ 25 ସେମି ଗଭୀରତା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଓବା ରଖିବା ଭଚିତ୍। ଛୋଟ ଚାରା ନ ଉଠିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ ପ୍ରତିବିନ ହାଲୁକା ପାଣି ଦେବା ଭଚିତ। ଜଳସେନନ ସମୟସନୀ ବିଟ୍ରନ୍ତର ଚାରା ସହିତ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରିବା ଏବଂ ଏହାର ବୃଦ୍ଧିରେ ବାଧା ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପୂର୍ବରୁ ଯାସକୁ ନିୟଲ୍ଲଣ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଧାତି ମଧ୍ୟରେ ଥିବା ସମୟ ଘାସକୁ ସାତରେ କାଟିବା ଆବଶ୍ୟକ, ଯାହା ହାରା କି ମୂଳକୁ କ୍ଷତି ହେବ ନାହିଁ । ନିର୍ମାତାଙ୍କ ହାରା ନିର୍ବିଷ୍ଟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ 11 ଯାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃ-ଚାଷ ୀନସରଣ କରି ରାସାୟନିକ ଘାସ ନିୟକ୍ତଣ ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇପାରିବ । ବିଚରୁଟ୍ ଚୀଷରେ ବୋରନ୍, ମାଙ୍ଗାନିକ୍ ଏବଂ ଲୁହା ତିନୋଟି ପ୍ରମୁଖ ସୁକ୍ଷ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ ଗୁରୁଷ୍ପର୍ଣ୍ଣ ଅଟେ। ମୂର୍ତ୍ତିକା ବିଶ୍ଲେଷଣ ଆଧାରରେ, ସଦି ଏହି ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱର ଅଭାବ ଥାଏ, ତେବେ ଏହି ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱକୁ ଯୋଗାଇବା ପାଇଁ ଯତ୍ ନେବାକୁ ପତିବ। 12 ସ୍କୃଷ୍ଣ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ ଏଫିକ୍ସ : ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲୁଏଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ୩୯୮ଝ୍.: ସ୍ଟୋବକାମଡ୍ 50% ଡବ୍ଲକ୍ୟାଣ (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଲାଲ ଷାଉବର: ଫେନାଡକୁଜଣ୍ 10% (0.4 ମିଲି,ଲିଟର) + ବାଇପେଞ୍ଜିନ୍ 10% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର) ଶର୍ଗୋଡ୍ୱୋରା ପ୍ରଟ : ମାରେଗେନ୍ଦ୍ର 7% ବବ୍ଲକ୍ୟାନ (WP) ପ୍ରଫି ଲିଟର 2 -2.5 ଗ୍ରାମ); ଫସଲ ବକ୍କ ଅଟ୍ୟନ୍ତ ସୁପାରିଶ କରାଯାଏ। ଖାଉଟି ମିଲନ୍ତ୍ରୟ: ଟେବ୍ଲକୋନାଡୋଲ 50% + ଟ୍ରାଲଫ୍ଲୋଡ୍ଲିଡ୍ସୋବିନ 25% ଡବ୍ଲକ୍ୟାଜି (WC) (ପ୍ରଟି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ଟ୍ୟାଫି-ଅଫ୍: କ୍ୟାପଡାନ 75% ଡବ୍ଲକ୍ୟୁଏସ (WS) (1.5 ରୁ 2 ଗ୍ରାମ ପ୍ରତି ଲିଟର) ବ୍ୟସି ମର୍ଚ୍ଚ ବିଚ୍ଚରର ବୃଦ୍ଦର ସମ୍ପ ସ୍ୱାଟ୍ୟଟେ ବୋରନର ଅଜାଜ ବେତ୍ର ବୋଇଥାଏ, ବେଶୁ ପର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ ପରିମାଶର ବୋରନ୍ତର ରକ୍ଷଣାବେଷଣ ଗୁରୁବସୂର୍ଣ୍ଣ ଅଟେ। ଅଭାବର ଲକ୍ଷଣଶୁଡିକ୍କ ନିୟଲ୍ଲଣ କରିବା ପାଇଁ ମଝି ଉତ୍ରରେ 0.2% ବୋରିକ୍ ଏସିଡ୍ ଦ୍ରବଣ ପତ୍ର ଉପରେ ଦୁଲଅର ସିଞ୍ଚନ କରାଯାଇପାରିବ । 13 କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତଣ 0-115 DAS ମଧ୍ୟରେ ଫସଲ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୁଏ। ଉପଯୁକ୍ତ ପରିସ୍ଥିତିରେ, ଏକ ଭଲ ପରିଚାଳିତ ଫସଲର ୫-10 ଟନ ଅମଳ ହୋଇଥାଏ। 15 ାଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ ବେତ୍ରତର ଆଣ୍ଠ ଜୀବନ ସର୍ବାଧିକ ବରିବା ପାଇଁ, ସେଣୁଡିକୁ ଉଚ୍ଚ ଅଶ୍ୱରୀ ସହିତ ଏକ ଥିୟା, ଅନ୍ଧାର ସ୍ଥାନରେ ସଂରକ୍ଷଣ କରି ରଖାହୁ, ଆ ଲାବରେ 2 ରୁ 5 ଜିଗ୍ରୀ ସେଲସିୟସ୍ (35.5 ରୁ 41 ଜିଗ୍ରୀ ଫାରେନହାଲଙ୍କ) ମଧ୍ୟରେ ରହିବ । ଅଧିକ ଜଳସେତକ କରତୁ ତୀହି, ଏବଂ ଛାଇରେ ଲଗାହୁ ନାହିଁ । °ରକ୍ଷଣ 16 ଭପଯୁକ୍ତ ସୂର୍ଯ୍ୟାଲୋକ ଏବଂ ପର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ ଜଳସେଚନ, ସ୍ତୁଲିତ ସାର, ଭଲ ବାୟୁ ସଞ୍ଚାଳନ ଏବଂ ଭଲ ଫସଲ ।

ସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମନ ବିଭିନ୍ନ ଜାରଣ ହାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ଜେଣୁ, ପରାମର୍ଣ ପାଇଁ ଆଧଣକ ୟାମୟ ବୃଷ୍ଠି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଣ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିୟିତ କରକୁ ଯେ କେବଳ ଜମାରର ସାର ଏବଂ କୀତନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀତନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣକ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।





பீட்ரூட் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

மாழ்த்துகள் கிரிஸ்டல் (Chaisa) குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த பீட்ருட் விதைகள் நகரு கூறும் இருந்து மிகச் சிறந்த பீட்ருட் விரைகள் இருந்த அனுபவம் கொண்டுள்ளது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி பெய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவின் தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் பீட்ருட் விதைகள், உயிரி சாரா நிலைகளின் கீழ் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் க சிறந்த வலிமை உடன் தாங்கும் திறன் பலான் கைப

08க் சிறந்த மகதலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கூட்டு கூட்டுக்கு

கேட்டுக்கொள்கிறோ கேட்டுக்கொள்கிறோ	ம் பாற்ற விங்காய் நடைமுறைகளை கோற்களையுள்ளது. ம	பாகம் கொழுகான குறித்துள்ளுள்ள கடிகள்கள் கூறிகள்கள் கொறிகள்கள்ளும் முன் இறிதம் பிறிதுள்ளனர். படிகளுமாறு								
கலப்பு பீட்ரூட்	ஹீரோ, Hyb. பிரிகேட், சிந்து, சிந்து 200									
காலம் காரீப்	100-115 நாட்கள் ஆம் (குளிர்வான									
ராபி	இடங்களில்) ஆம்									
வசந்த காலம் பாசன ஆதாரம்	ஆம் போர்வெல்/ கால்வாய்									
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	. L								
வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு								
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	வெப்பநிலை: பீட்ரூட் என்பது ஒரு குளிர்.வானிலையில் வளகும் கடினமான பயிர் மற்றும் சில உறை குளிரைத் தாங்கும் திறன் கொண்டது. வசந்த காலம் மற்றும் இலையுதிர் காலத்தில் நன்கு வளர்கிறது. பீட்ரூட் விதைகள் மண் வெப்பநிலைகளான 4.5 முதல் 30°C முளைக்கின்றன, சாதகமான வெப்பநிலை என்பது 13 முதல் 24°C ஆகும்.								
2	நிலம் / மண்	5ட்ரூட் ஆழமான மற்றும் நீர் தேங்காத, தளர்வான, பசளை மண் முதல் மணற்பாங்கான மண்களில் நன்றாக வளரும் தன்மை கொண்டது. பீட்ரூட்டுக்கு மண்ணின் pr ss முதல் 70 இருந்தால் மிகவும் நல்லது. ஆனால், 76 pr வரை தாங்கும் இறன் கொண்டது.								
3	பருவம். விதைத்தல்நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	விதைக்கும் நேரங்கள் உற்பத்தி பகுதிகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம். குளிர்கால மழை பகுதிகளில், விதைகளை ஆகஸ்ட் முதல் மார்ச் இறுதி வரை மற்றும் ஆகஸ்ட் இறுதி முதல் மார்ச் மாதத்தின் நடுப்பகுதி வரை குளிர்வான வெயில் காலத்தில் விதைக்கலாம்.								
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	பொதுவான விதை வீதம் ஏக்கருக்கு 2-4 கிலோ								
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	விதை படுக்கை மண் கட்டிகளை உடைக்கும் அளவிற்கு 15 முதல் 20 செமீ ஆழத்திற்கு உழுது நன்கு தயாரிக்கப்பட வேண்டும். மண், ஒரு நல்ல துகள் அமைப்பு மற்றும் போதுமான ஈரப்பதம் இருக்குமாறு சமப்படுத்தப்பட வேண்டும்								
6	இடைவெளி	அங்குல ஆழம் மற்றும் வரிசைகளுக்கு இடையே 30-40 செமீ மற்றும் தாவரங்களுக்கு இடையே 20 செமீ இடைவெளி இருக்குமாறு விதைகளை நட வேண்டும்								
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	முளைத்தலை வேகப்படுத்த நடவு செய்வதற்கு முன் விதைகளை நீரில் 12 மணி நேரம் ஊற வையுங்கள். வேறு வகையில், ஒரு கிலோ விதைக்கு 2 கிராம் வீதம் திரம் (Thiram) அல்லது காப்டான் (படிரமா) உடன் கலக்கவும் செய்யலாம்.								
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	நைட்ரதனின் பங்கு மிகவும் முக்கியமானது. தாவரம் வளரும் பரு.வத்தில், மண்ணின் பகுப்பாய்வைப் பொறுத்து, ஏக்கருக்கு 12-100 கிலோ என்ணாம்பு, அம்மோனியம் நைட்ருட் அல்லது அம்மோனியம் சல்பேட் உரங்களை 2 அல்லது 3 முறை போட வேண்டும். பொறுவாக, நடவு செய்யும் நேரத்தில் ஏக்கருக்கு 00 கிலோ நைட்ரதனைப் போட வேண்டும் மற்றும் மீதமுள்ளவற்றைத் தாவரங்கள் 10 முதல் 15 செமீ உயரம் வளர்த்த பின் போட வேண்டும். மொத்தமாக, விதையை விதைக்கும் முன் ஏக்கருக்கு 200-210 கிலோ தப்பர் பாஸ்பேட் மற்றும் ஏக்கருக்கு 80-120 கிலோ பொட்டாசியம் குளோரைடு போட வேண்டும். வேண்டும். இவை எல்லாம் பொதுவான பரிந்துரைகள் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ள வேண்டும் மற்றும் உண்மையான உரத்தின் அளவுகள் மண் பகுப்பாய்வின் அடிப்படையில் இருக்க வேண்டும்.								
9	பாசன அட்டவணை	மண் உலர்வாக விடக் கூடாது மற்றும் மண்ணை 20 முதல் 25 செமீ ஆழத்திற்கு ஈரப்பதமாக வைத்திட வேண்டும். இளம் தாவரங்கள் முளைக்கும் வரை விதைகளுக்கு அன்றாடம் குறைவான அளவில் நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.								
11	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	3ட் விதைகள் மற்றும் அவற்றின் வளர்ச்சியுடன் களைகள் போட்டி போடுவதற்கு முன் களைகளைக் கட்டுப்படுத்த வேண்டும். வேர்கள் சேதம் அடைவதைத் தவிர்க்க, வரிசைகளுக்கு இடையில் உள்ள அனைத்து களைகளும் கையால் அகற்றப்பட வேண்டும். உற்பத்தியாளர் குறிப்பிட்டுள்ள வழிகாட்டுதல்கள் படி, வேதியல் முறையிலான களை அகற்றுதலையும் பயன்படுத்தலாம்.								
12	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பீட்குட் பயிரிடுவதற்கு போரான், மாங்கனீசு, மற்றும் இரும்பு போன்ற மூன்று முக்கிய நுண்ணூட்டங்கள் மிகவும் அவசியம். மண் பகுப்பாய்வின் அடிப்படையில், இந்த ஊட்டச்சத்துகள் குறைவாக இருந்தால், அந்த ஊட்டச்சத்துகளைக் கொடுப்பதற்கான செயலைக் கண்டிப்பாக மேற்கோள்ள வேண்டும்.								
13	பூச்சி மற்றும் தோய் கட்டுப்பாடு	செடிப்பேன்கள்: ∴ப்ளோனிகளமிட் 50% டபின்யுதி (wo, (லிட்டகுக்கு 0.5 கிராம்) சிவப்பு சிலந்தி: ஃபெனாஸ்க்வின் 10% (லிட்டகுக்கு 0.4 மிலி) - பி.பென்ட்ரின் 10% இசி (EC) (லிட்டகுக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி) செர்கோஸ்போரா இலை புன்னி நோய் மான்கோசெப் 75% டபின்யுபி (wr) (லிட்டகுக்கு 2.25 கிராம்); நிச்சயமாக, பயிர் கழற்சி வேண்டும் எனப் பிந்துகளுக்கப்படுகிறது அடிச்சாம்பல் நோய் பெடிகோனசோல் 50% - டிரைபினாக்சிஸ்ட்ரோயின் 25% டபின்யுதி (wo) (லிட்டகுக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) நாற்று அழுகுதல்: காய்டான் 75% டபின்யுளல் (wo) (லிட்டகுக்கு 1.5 முதல் 2 கிராம்) தன்டு அழுகல் தொய் பெடும்பாலும். போரான் ஊட்டச்சத்து இரைமாடால் பீட்டதட்களில் தண்டு அழுகல் நோய் ஏற்படுகிறது. எனவே, போதுமான போரான் இருப்பைப் பராமரிப்பது முக்கியம். குறைபாட்டு அறிகுறிகளைக் கட்டுப்படுத்த நடு.பகுவக் காலத்தின் போது 0.2% போரிக் அமிலக் கரைசலை இலை மீது இரண்டு முறை தெளிக்க வேண்டும்.								
14	அறுவடை	100-115 நாட்களில் பயிர் அறுவடைக்குத் தயாராகி விடும்.								
15	எதிர்பார்க்கப்படும் மகதல்	சாதகமான நிலைகளில் ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிர் 8-10 டன்கள் மகதலை அளிக்கிறது.								
16	சேமிப்பகம்	நீட்குட்களின் வாழ்நாளை அதிகரிக்க, அவற்றை அதிக ாரப்பதம் உள்ள ஒகு குளிர்வான, இருண்ட இடத்தில், பொதுவாக 2 மற்றும் 5 டி.விரி செல்சியஸில் 135 முதல் 41 டி.விரி பாரன்ஹீட்) வைத்திடுங்கள்.								
17	செய்யக்கூடாதவை	அதிக நீர் பாசனம் செய்யக்கூடாது மற்றும் நிழலில் பயிரிடக் கூடாது.								
18	செய்ய வேண்டியவை	போதுமான தரிய வெளிச்சம் மற்றும் போதுமான நீர் பாசனம், சமநிலைப்படுத்தப்பட்ட உரமிடல், நல்ல காற்றோட்டம் மற்றும் எளிதான அறுவடைகள்								
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட	பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளுர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.								
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்		கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளுர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேகவது பரித்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் .றுதி செய்யுங்கள் விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.								





ਚੁਕੰਦਰ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜਾ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੇ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਚੰਗਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੇਜੀ ਅਪਣਾਉਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਆਪਕ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੇ। ਹੋਨਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੇ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ	ਹੀਰੋ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਬ੍ਰਿਗੇਡ' ਸਿੱਧੁ'						00000							
ਹੁਕੰਦਰ	मियु २००													
ਮਿਆਦ	100-115 DAS				Ĭ									
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ (ਠੰਡੀਆਂ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ)				l		1							
ਰਬੀ	ਹਾਂ				l		1							
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ						1							
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ/ਨਹਿਰ													
	,	fa	ਕਰਪਾ ਕਰਕੇ	ਧਿਆਨ ਦਿਓ	ਕਿ ਫਸਲ ਦ	ਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ	ਪਰਿਪੱਕਤਾ	ਮੌਸਮ ਦੇ	'ਆਧਾਰ 'ਤੇ	ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੈ	ਸਕਦੀ ਹੈ।			
THE OWNER TO	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	•				ਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕ								
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	EGE/G-01/-412-4-1												0.3.0	Ų.
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ						ਵਿੱਚ ਵਧਦਾ						ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਸ ਹਨ, ਜਿਸ ਦਾ ਸਭ	
2						ਚੁਕੰਦਰ ਡੂੰਘੀ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ, ਢਿੱਲੀ, ਦੇਮਟ ਤੋਂ ਰੇਤਲੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਉੱਗਦਾ ਹੈ। ਚੁਕੰਦਰ 5.8 ਤੋਂ 7.0 ਦੇ pH ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਤਰਜੀਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਪਰ 7.6 ਤੱਕ pH ਨੂੰ ਵੀ ਸਹਿਣ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।								
3						ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ ਉਤਪਾਦਨ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖਰਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸਰਦੀਆਂ ਦੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ, ਬੀਜ ਅਗਸਤ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਆਖਰ ਤੱਕ ਬੀਜੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀ ਠੰਡੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ, ਬੀਜ ਅਗਸਤ ਦੇ ਆਖਰ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਮੱਧ ਤੱਕ ਬੀਜੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।								
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ :	ਤਰੀਕਾ।			ਬੀਜ ਦੀ ਆਮ	ਮਾਤਰਾ 2-4 ਕਿ	ਕਲੋਗ੍ਰਾਮ / ਬੰ	ੀਕੜ						
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ										ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਡੂੰਘੰ ਰਪੂਰ ਨਮੀ ਵਾਲ		ਦੇ ਢੇਲਿਆਂ ਨੂੰ ਤੋ: ਹੈ।	ੜਣਾ ਜਰੂਰੀ
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ				ਬੀਜ ਲਗਭਗ	1 ਇੰਚ ਡੂੰਘਾ ਬ	<u>ਭੀਜੋ, ਕਤਾਰਾਂ</u>	ਵਿਚਕਾਰ 3	30-40 ਸੈਂਟੀਮ	ੀਟਰ ਅਤੇ ਬੂਟਿ	ਟੂਆਂ ਵਿਚਕਾਰ 2	20 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ	ਦੀ ਦੂਰੀ ਰੱਖੋ।	
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਹ	ਰ				ਰਿਆ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕ ਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨ				12 ਘੰਟੇ ਪਾਣੀ ਿ	ਵੇੱਚ ਭਿਓ ਦਿਓ।	ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾ	ਰ ਥੀਰਮ ਜਾਂ ਕੈਪਟ	ਨ ਨਾਲ 2
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	ਨਾਯੀਟ੍ਰੇਜਨ ਇੱਕ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ, ਵਧ ਕਰੇ ਮੈਂਸਮ ਦੌਰਾਨ 120 ਤੋਂ 160 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ, ਏਕੜ ਚੂਨਾ ਪੰਥਰ, ਅਮੇਨੀਅਮ ਨਾਈਟ੍ਰੇਟ, ਜਾਂ ਅਮੇਨੀਅਮ ਸਲਫੇਟ ਦੇ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਡਰੇਸਿੰਗਾ ਵਿੱਚ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਕਸਰ ਬਿਜਾਈ ਸਮੇਂ 60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਬੂਟੇ 10 ਤੋਂ 15 ਸੈਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਉਚਾਈ 'ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ 'ਤੇ ਇੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੁੱਲ 200-240 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਸੁਪਰਕਾਸਫੇਟ ਅਤੇ 80-120 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਪੈਟਾਸ਼ੀਅਮ ਕਲੋਰਾਈਡ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।							ਚਣ 'ਤੇ					
					ਇਹ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਮ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਹਨ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਖਾਦ ਦੀ ਸਹੀ ਮਾਤਰਾ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਤੈਅ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਸੁੱਕਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਇਸਨੂੰ 20 ਤੋਂ 25 ਸੈਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਫ਼ੁੰਘਾਈ ਤੱਕ ਨਮ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਛੋਟੇ ਬੁਟੇ							ਾਤੇ ਤੈਅ		
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਈ					ਵੀ ਸੁੱਕਣ ਨਹੀਂ ਸਾਂਦੇ, ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ					ਡੂੰਘਾਈ ਤੱਕ ਨ	ਮ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀ	ਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ह	ਛੋਟੇ ਬੂਟੇ
11	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਹ	ਕਾਸ਼ਤ			ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚ	ਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਨ ਭਾਏ ਬਿਨਾਂ ਕਤਾ ਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਕੀ	ਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ	ਲੇ ਸਾਰੇ ਨਾ	ਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਹੱਥ	. ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਚੁਕ ਾਂ ਨਾਲ ਹਟਾਉਣ	ਕੰਦਰ ਦੇ ਬੂਟਿਅ ਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਰਸ	ਾਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਵਿੱਚ ਸਾਇਣਕ ਨਦੀਟ	ਵਿਘਨ ਨਾ ਪਾਉਣ ਨਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਵੀ	। ਜੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰਮਾਤਾ
12	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਚ	ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ			ਚੁਕੰਦਰ ਦੀ ਖੇਤੀ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਤਿੰਨ ਮੁੱਖ ਸੂਖਮ ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ ਬੋਚਾਨ, ਮੈਂਗਨੀਜ਼ ਅਤੇ ਆਇਰਨ ਹਨ। ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ, ਜੇ ਕੋਈ ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਘਾਟ ਹੈ, ਤਾਂ ਇਸਦੀ ਪੂਰਤੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।							ਾਰ, ਜੇ ਕੋਈ		
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ				ਏਫਿਡ: ਫਲੇਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਲਾਲ ਮੱਕੜੀ: ਫੇਨਾਜ਼ਕੁਲਿਨ 10% (0.4 ਮਿਲੀ./ਲੀਟਰ) + ਬਾਈਰੈਥਕਿਨ 10% EC (0.5 ਤੋਂ 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਲਾਲ ਮੱਕੜੀ: ਫੇਨਾਜ਼ਕੁਲਿਨ 10% (0.4 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) + ਬਾਈਰੈਥਕਿਨ 10% EC (0.5 ਤੋਂ 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਜ਼ਾਊਨੀ ਡਫ਼ੂੰਢੀ ਰੇਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੇਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੇਕਸੀਸਟ੍ਰੇਸ਼ਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡੌਪਿੰਗ:ਆਫ: ਕੈਪਟਨ 75% WS (1.5 ਤੋਂ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਹਾਰਟ ਕੇਟ: ਬੇਰੇਨ ਦੀ ਘਾਟ ਚੁਕੰਦਰ ਵਿੱਚ ਹਾਰਟ ਕੇਟ ਦਾ ਮੁੱਖ ਕਾਰਨ ਹੈ। ਇਸ ਰੇਗ ਨੂੰ ਰੇਕਣ ਲਈ ਬੇਰੇਨ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਵਾਜ਼ੀ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਪੱਤਿਆਂ 'ਤੇ 0.2% ਬੇਰਿਕ ਐਮਿਡ ਦਾ ਛਿਤਕਾਅ ਕਰਕੇ ਘਾਟ ਦੇ ਲੱਛਣਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੇਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।									
14	ਵਾਚੀ				ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ 100-115 DAS 'ਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।									
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ				ਇੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫ਼ਸਲ ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 8-10 ਟਨ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।									
16	ਸਟੋਰੇਜ	ਚੁਕੰਦਰ ਨੂੰ ਲੰਬੇ (35.6–41°F		ਅਤ ਰੱਖਣ ਨ	ਤਈ, ਉਹਨਾਂ	ਨੂੰ ਠੰਢੀ, ਹਨੇਵ	ਰੀ ਅਤੇ ਨਮੀ ਵਾਹ	ਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸਟੋਹ	ਰ ਕਰੋ, ਸਭ ਤੋਂ ਵ	ਧੀਆ ਤਾਪਮਾਨ 2	₹ 5°C			
17	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ					ਨਾ ਦਿਓ ਅਤੇ	ਬੂਟੇ ਨੂੰ ਛਾਂ ਜ	ਜਗ੍ਹਾ ਵਾਲੀ ਜ	ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਨਾ ਹ	ਲਗਾਓ।				
18	ਕੀ ਕਰੋ				ਲੋੜੀਂਦੀ ਧੁੱਪ, ਲੋੜੀਂਦਾ ਪਾਣੀ, ਸੰਤੁਲਿਤ ਖਾਦ, ਚੰਗੀ ਹਵਾ ਦਾ ਸੰਚਾਰ ਅਤੇ ਹੋਲੀ-ਹੋਲੀ ਕਟਾਈ									
तेट	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾ	ਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿ	ਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ	ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾ	। ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।									
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾਤ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕ੍ਰਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।										[‡] वी			